

8/1/20

8/1/20



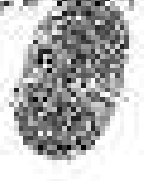
0300 305903



विलेख

मित्रमूल्य : 200 9 50,000/-
 बचत : 200 5 50,000/-
 स्वयं : 200 5 50,000/-
 पत्नी : मित्रमूल्य

वह मित्रमूल्य सामान्य न्यायिक प्रमाणपत्र
 मोती व श्रीमती मंगला पत्नी स्वयं मोती मित्रमूल्य



8/1/20



मित्रमूल्य

Dr. W. J. Wilson

1629-1-52-043

संस्कृत-भाषा

32204 514

Ch. 3003 2/10 1994

2024/10/10

— 20 —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



0300 305908

- 2 -

ग्राम-मुजफ्फर नगर मुसलमान, परगना-बिजनौर, ताहसील व जिला लखनऊ जिले आगे विस्तारण कहा गया है, एनम् जयाराम मूल सनधनी वर्तमान निवासी-254, पन्द्रलीक, अलीमज, लखनऊ एण स्थाई निवासी-ग्राम -बिजापुर मितारी, पोस्ट-नौगाँव, जिला-फतेहपुर जिले आगे लेता कहा गया है, ये मान निष्पादित किया गया।

चह कि विस्तारण मूमि लखनऊ 356/5 मूल सनधनी प.ज.प.प. जेवरेअर स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर मुसलमान, परगना बिजनौर,

दिनांक 28/12/2018

सु.क.स. - 2/1/2019

दिनांक 28/12/2018

दिनांक 28/12/2018

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

Abstract

Figure 1

2024

2. $\lambda_1 \neq \lambda_2$

Q. 2. Explain.

Dr. A. H. H. H.



10/1/2011

2004



0320 365989

तहसील व जिला, तत्समक गानिक, पाणिन व काविर है तथा
 तत्समक सत्यापित पटवार्धिक खला खलीनी कम सख्या 258 के
 अनुसार विक्रेतागण के नाम का अमल दरमद सज्जता अभिलेखों में
 हो गया है। पटवार्धिक खलीनी फसली वर्ष 1412 से 1417 के
 अनुसार अशंक्यगति दर्ज है किन्तु भीमिक अधिकार प्रारम्भ होने
 का वर्ष 1383 फसली है, अर्थात् विक्रेता का फसला 20 वर्ष से
 अधिक मुदाना है, इसलिए शासनादेश अनुसार विक्रेता को अपना
 हित व निज्य करने का अधिकार है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण

0320 365989

रु. 200000

जि. 18 अक्टू

जि. 18 अक्टू



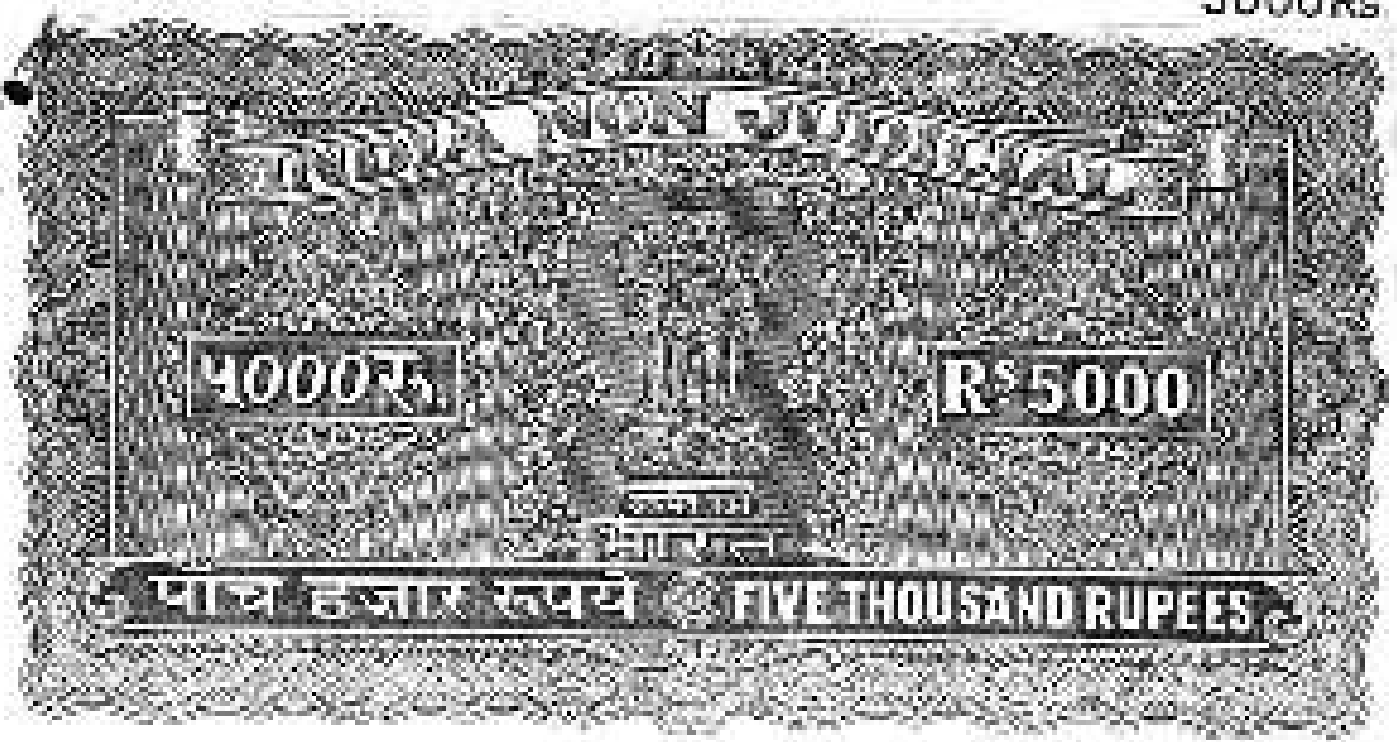
1000 703511

इसका ज्ञात को इस विषय मिलेला द्वारा मिलना कर रहा है
 विवेचनात्मक उपलब्ध सम्पूर्ण भूमि के मालिक कामिल व कारिज है
 एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि
 विवेचनात्मक यह घोषित करता है कि उपलब्ध वर्णित भूमि सभी
 प्रकार के भातों से मुक्त एवं पक्क व साफ है तथा विवेचनात्मक ने
 उसे इस विषय के पूर्ण नहीं बच, लिखा, गिरवी या अनुवस्थित
 इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि का उत्पत्ति कोई भाग किसी
 न्यायालय या सरकारी कार्यवाही को अनुवस्थित विवाद का बस्तु

मिलने के बाद ही

रुद्र प्रसाद

अन्य उपलब्ध



195054

- 5 -

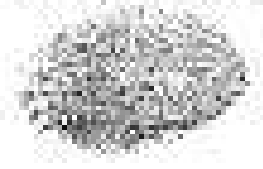
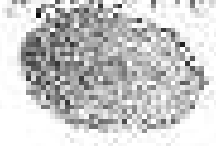
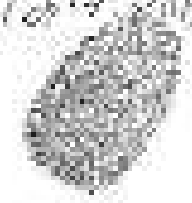
विषय नहीं है, न ही कुछ इत्यादि है। विवेकमान को अलग-अलग
मुद्रा में मिली अन्य व्यक्ति का स्वत्व, एक या दोषा इत्यादि नहीं
है, एवं विवेकमान को उक्त विवेक अन्तर्गत करने का पूर्ण
अधिकार प्राप्त है। अतः उपरोक्त राशति को फलस्वरूप रु०
9,50,000/- (नौ लाख पचास हजार रुपये) को प्रत्यक्ष में
जिसका कि उपरोक्त क्षेत्र द्वारा विवेकमान को इस विवेक के
अन्त में ही गई अनुसूची में वर्णित विवेक के अनुसार मुद्रागत रूप
दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विवेकमान नहीं अधिकार

(के. ए. ए. ए. ए.)

सुब्रह्मण्यम्

वि. ए. ए. ए.

वि. ए. ए. ए.





195052

- 6 -

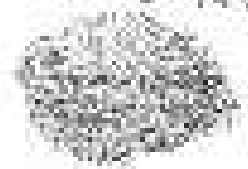
करते हैं, तबानुसार उक्त विक्रेतागण उक्त जेता के साथ उपरोक्त
 वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विज्ञापन के अन्त में
 अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को बकाई देव दिया है, एवं
 विक्रेतागण ने विक्रयशुदा भूमि का मोटा पट बकाया जेता को बखुली
 करा दिया गया है। अब उक्त आदाजी पर विक्रेतागण तथा उसके
 वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुदा
 सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के सम्बन्ध अधिकारों के साथ गुणाया
 व हस्ता के लिए जेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब जेता

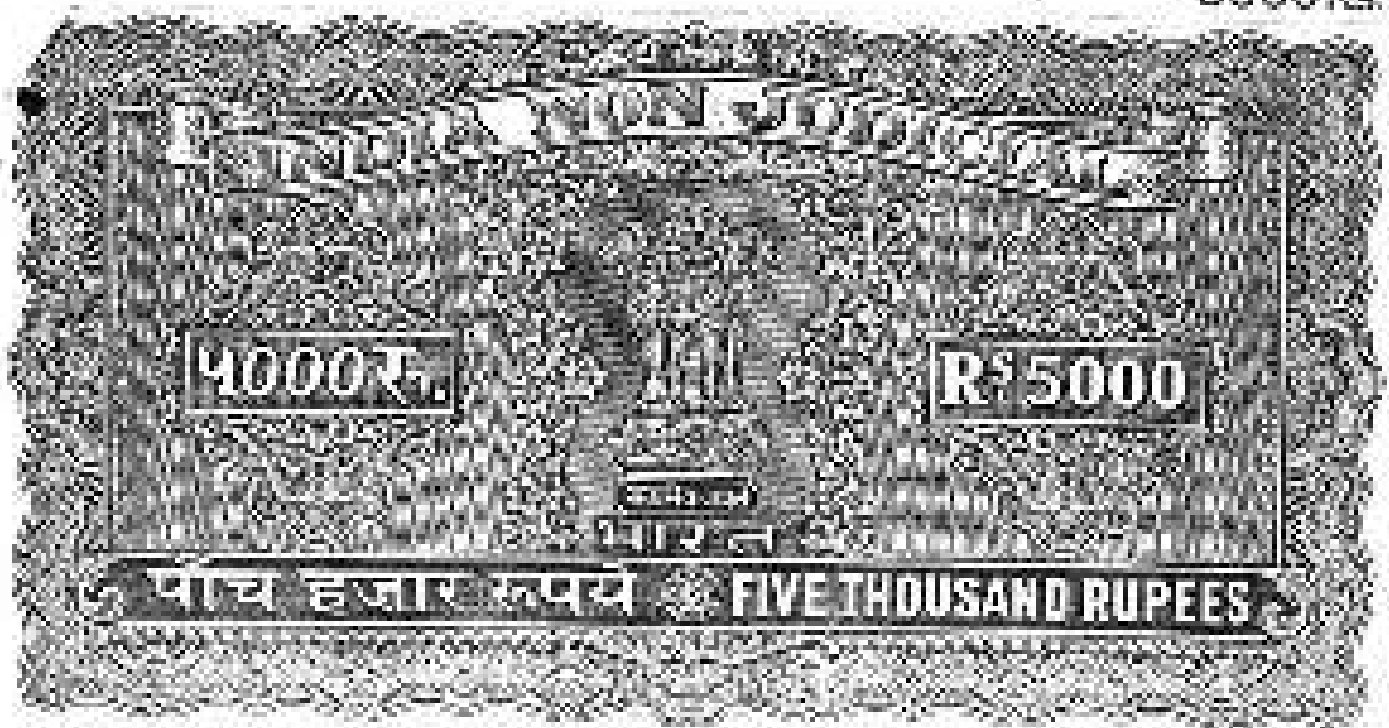
जि.प्र. अ.प्र. १०८

जि.प्र. अ.प्र. १०८

पु.प्र. अ.प्र. १०८

जि.प्र. अ.प्र. १०८



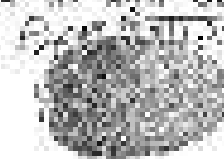


195053

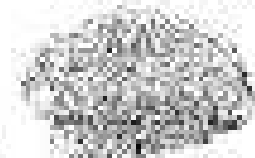
- 7 -

मिशनरियाँ सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विद्योत्पादन उसमें किसी प्रकार की अड़बट नष्टा नहीं आने तक करेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि मिशनरियाँ सम्पत्ति अथवा कोई भाग विद्योत्पादन के स्वामित्व में नुस्ते के कारण या कानूनी अड़बट या कानूनी नुस्ते के कारण खोता या उसके वास्तविक निष्पादनयोग्य हस्तादि को खोता या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो खोता उसका वास्तविक निष्पादन योग्य होवे।

शुद्ध रूप में



दिनांक १९५०

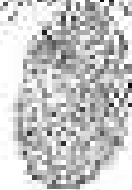


निष्पादकरण इत्यादि को यह रुक होगा कि यह अपना समस्त मुकदमा मस हर्जा व खर्चा, निरुन्नायण की बल, अपने सम्पत्ति से जरिये अदास्त कर ले। उस स्थिति में निरुन्नायण को उसके कारिगार हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

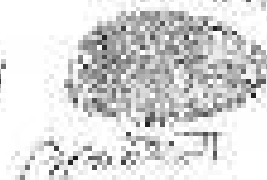
यह कि जेता विक्रयगुहा सम्पत्ति की दखिल खातिर राज्य अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो निरुन्नायण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख को पूर्ण रूप पर कोई खयाल मिलती तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको निरुन्नायण मुकदमा व धन खर्चें, निरुन्नायण को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि समस्त अररा नम्बर राम मुनषफर नगर पुलिस, अर्थनगरीय क्षेत्र के विविध भाग में अन्तर्गत आता है इसलिये निर्धारित सरकित रेट रु० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर में हिसाब से निर्णीत भूमि 0.506 हेक्टेयर की मात्रियत रु० 5,56,600/- होती है, यदि विगत भूमि, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए निवमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 95,000/- कायदा रकम अदा किया जा रहा है। यह कि अररायन विस्तार भूमि क्षति के लक्षणों के लिए क्रय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है विनिर्णीत भूमि केती लिक भाग, राज्यमार्ग व

निष्पादकरण



मुख्य अधिकारी



जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। निरंतागण व जिला दोनों अनुमण्डित जालि के सदस्य हैं। इस विक्रय बिलेड के निबन्धन का समस्त कार्य जिला द्वारा चाल किया गया है।

परिशिष्ट : विवरण विक्रयराजा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा 355/5 कुल रकबा 0.506 हेक्टर स्थित ग्राम सुवाकर नगर मुसाबल, मल्हना-बिजनीर, ताहसील व जिला जयनगर बिल्वी घाहड़ी नाम है।

खसरा नं० 355/5 रकबा 0.506 हेक्टर

पूरुब	: खसरा संख्या-355, 310
पश्चिम	: खसरा संख्या-403, 359
उत्तर	: खसरा संख्या-384, 362, 363, 361, 360, 358, 357, 358, 355, 361
दक्षिण	: खसरा संख्या-308, 309

परिशिष्ट : गुगलान विवरण

कुल विक्रय मूल्य निरंतागण को रु० 9,50,000/- (नौ लाख पचास हजार रुपया) जिला से प्राप्त हुए तथा बिलकी प्राप्ति निरंतागण सीलकट करते हैं।

लिहाजा वह विक्रय पर इस निरंतागण में जिला के पदा में समस्त गवाहान बिना किसी और ब्याप को, व स्वस्थ बिल व सन

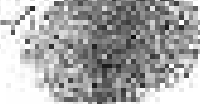
बिना एडमिनि

बिना एडमिनि

बिना एडमिनि



मुख्य अधिकारी



Don August

12-

Lepidobatrachus latitarsis
Hyla rubra, *Hyla* *rubra*
Ambystoma *opacum*

2.

~~Continued~~

अनुसूचित



नाम जगदीश

Публикация

গণপ্রজাতন্ত্রী

प्रस्तावित कार्य

www.fishbase.org

(अनुज कुमार शुक्ला)
एडवाकाट

This is a detailed cadastral map of a rural area, likely a village or estate. The map shows a grid of land parcels, some of which are shaded with diagonal lines. A prominent road or path runs diagonally across the center. Various buildings and structures are indicated by small symbols and labels. The map is oriented with North at the top.

2. For each

উদ্ভিদ

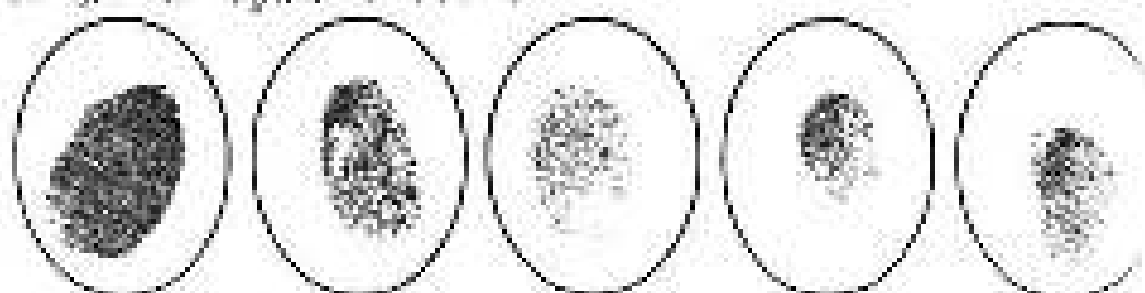
4. 21. 2020

विद्यार्थियों के द्वारा
रचित

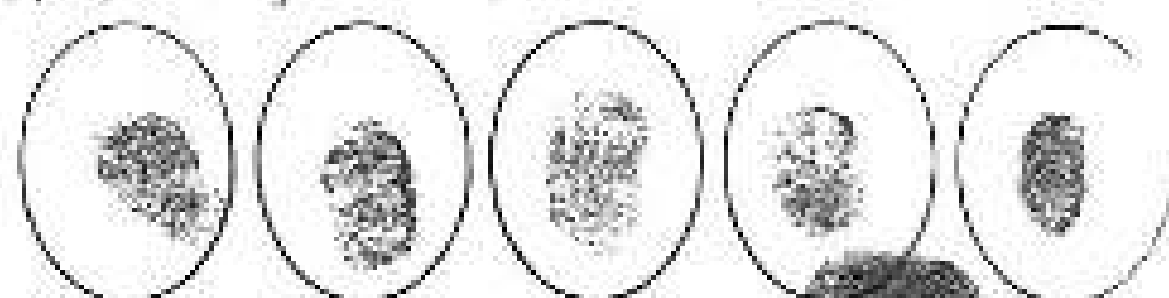
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 320 के अनुसार हेतु फिंगर प्रिंट्स

प्रत्यक्ष/विक्रय का नाम व पता : श्री ३३३३३३ श्री ३३३३३३

नाम के अंगुलि के चिह्न : श्री ३३३३३३ श्री ३३३३३३

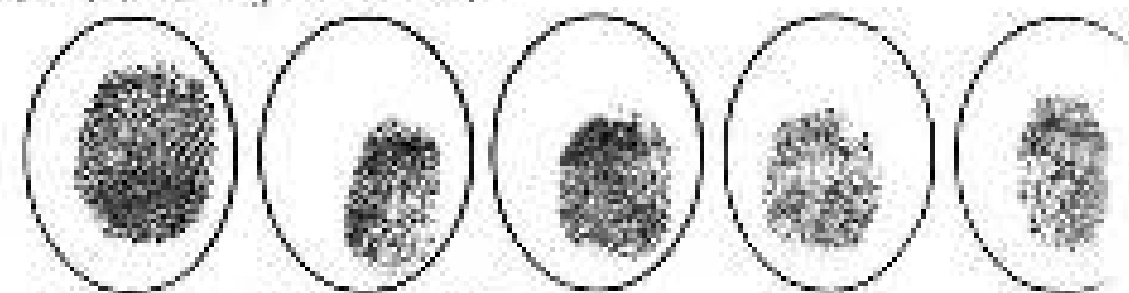


बाएँ हाथ के अंगुलि के चिह्न :

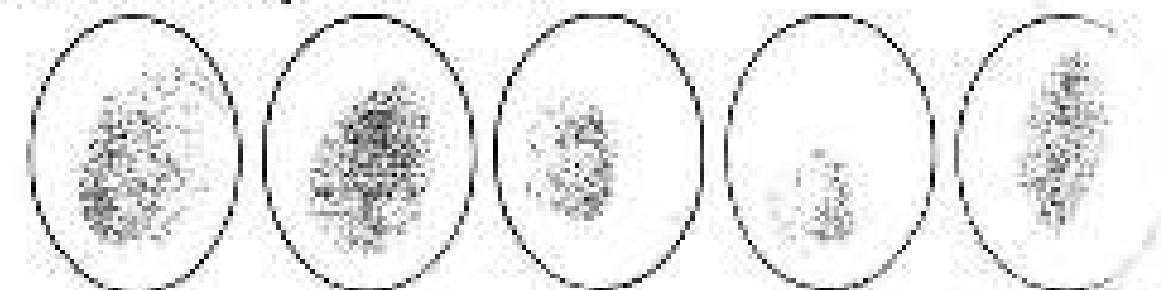


प्रत्यक्ष/विक्रय का नाम व पता : श्री ३३३३३३ श्री ३३३३३३

नाम के अंगुलि के चिह्न :



बाएँ हाथ के अंगुलि के चिह्न :



श्री ३३३३३३ श्री ३३३३३३

1. 10/10/16
 2. 10/10/16
 3. 10/10/16
 4. 10/10/16
 5. 10/10/16
 6. 10/10/16
 7. 10/10/16
 8. 10/10/16
 9. 10/10/16
 10. 10/10/16
 11. 10/10/16
 12. 10/10/16
 13. 10/10/16
 14. 10/10/16
 15. 10/10/16
 16. 10/10/16
 17. 10/10/16
 18. 10/10/16
 19. 10/10/16
 20. 10/10/16
 21. 10/10/16
 22. 10/10/16
 23. 10/10/16
 24. 10/10/16
 25. 10/10/16
 26. 10/10/16
 27. 10/10/16
 28. 10/10/16
 29. 10/10/16
 30. 10/10/16
 31. 10/10/16
 32. 10/10/16
 33. 10/10/16
 34. 10/10/16
 35. 10/10/16
 36. 10/10/16
 37. 10/10/16
 38. 10/10/16
 39. 10/10/16
 40. 10/10/16
 41. 10/10/16
 42. 10/10/16
 43. 10/10/16
 44. 10/10/16
 45. 10/10/16
 46. 10/10/16
 47. 10/10/16
 48. 10/10/16
 49. 10/10/16
 50. 10/10/16
 51. 10/10/16
 52. 10/10/16
 53. 10/10/16
 54. 10/10/16
 55. 10/10/16
 56. 10/10/16
 57. 10/10/16
 58. 10/10/16
 59. 10/10/16
 60. 10/10/16
 61. 10/10/16
 62. 10/10/16
 63. 10/10/16
 64. 10/10/16
 65. 10/10/16
 66. 10/10/16
 67. 10/10/16
 68. 10/10/16
 69. 10/10/16
 70. 10/10/16
 71. 10/10/16
 72. 10/10/16
 73. 10/10/16
 74. 10/10/16
 75. 10/10/16
 76. 10/10/16
 77. 10/10/16
 78. 10/10/16
 79. 10/10/16
 80. 10/10/16
 81. 10/10/16
 82. 10/10/16
 83. 10/10/16
 84. 10/10/16
 85. 10/10/16
 86. 10/10/16
 87. 10/10/16
 88. 10/10/16
 89. 10/10/16
 90. 10/10/16
 91. 10/10/16
 92. 10/10/16
 93. 10/10/16
 94. 10/10/16
 95. 10/10/16
 96. 10/10/16
 97. 10/10/16
 98. 10/10/16
 99. 10/10/16
 100. 10/10/16